Literacy for a Billion

Movie: My Love
Year: 1970

Song: Jikra HotaHai Jab Qayamat Ka
Lyricist: Anand Bakshi

ज़िक्र होता है जब क़यामत का
तेरे जलवों की बात होती है
तू जो चाहे तो दिन निकलता है
तू जो चाहे तो रात होती है

तुझको देखा है मेरी नज़रों ने
तेरी तारीफ़ हो मगर कैसे
कि बने ये नज़र ज़ुबाँ कैसे
कि बने ये ज़ुबाँ नज़र कैसे
ना ज़ुबाँ को दिखाई देता है
ना निगाहों से बात होती है

ज़िक्र होता है जब क़यामत का
तेरे जलवों की बात होती है

तू चली आए मुस्कुराती हुई
तो बिखर जाएँ हर तरफ़ कलियाँ
तू चली जाए उठके पहलू से
तो उजड़ जाएँ फूलों की गलियाँ
जिस तरफ़ होती है नज़र तेरी
उस तरफ़ कायनात होती है

ज़िक्र होता है जब क़यामत का
तेरे जलवों की बात होती है

तू निगाहों से ना पिलाए तो
अश्क भी पीनेवाले पीते हैं
वैसे जीने को तो तेरे बिन भी
इस ज़माने में लोग जीते हैं
ज़िन्दगी तो उसी को कहते हैं
जो बसर तेरे साथ होती है
ज़िक्र होता है जब क़यामत का
तेरे जलवों की बात होती है
तू जो चाहे तो दिन निकलता है
तू जो चाहे तो रात होती है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.